www.sgbauonline.com

AU–2215

M.A. (Part—II) Examination

ECONOMICS (Group—B)

FINANCIAL INSTITUTIONS AND MARKETS

Paper—VII

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 100

**N.B.** :— (1) Attempt all **five** questions.

(2) All questions carry equal marks.

1. What is the meaning of return on assets ? Explain different types of risk.

**OR**

Explain the types of Financial intermediaries. State its importance and functions.

2. Critically examine the Loanable Funds Theory of Interest.

**OR**

What are Administered interest rates ? Why are interest rates regulated in India ?

3. (a) State the distinction between Central and Commercial Bank.

(b) State the functions of Central Bank.

(c) State the qualitative method of Credit Control.

(d) State the objectives of monetary policy.

**OR**

(e) Discuss the role of Central Bank in modern economy.

(f) Describe functions of Commercial Bank.

(g) State the difference between Bank rate and Market rate.

(h) What are the limitations of monetary policy ?



www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

4. (a) Describe the role of non-bank financial institutions in Indian economy.

(b) State the difference between money market and capital market.

(c) What is meant by Government Securities markets ?

(d) State the nature of primary and secondary markets for securities in India.

**OR**

(e) State the structure and power of SEBI.

(f) Compare the structure of Call Money market and Bill market.

(g) Discuss the different types of non-bank financial institutions.

(h) Explain the structure of I.R.D.A.

5. (a) Explain the causes for failure of Bretton Woods system.

(b) State the lending operations of World Bank.

(c) State the main objectives of currency devaluation.

(d) Explain the role of Asian Development Bank in India's economic development.

**OR**

(e) Explain the causes of changes in exchange rates.

(f) Explain the importance of international liquidity.

(g) Explain the function of Asian Development Bank.

(h) State the merits of Multiple Exchange rate.



www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

AU–2215

M.A. (Part—II) Examination

ECONOMICS (Group—B)

FINANCIAL INSTITUTIONS AND MARKETS

Paper—VII

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 100

(मराठी माध्यम)

नोट :– (1) सर्व पाचही प्रश्न सोडवा.

(2) सर्व प्रश्नांना समान गुण आहेत.

1. संपत्तीवरील परतावा म्हणजे काय ? जोखिमचे विविध प्रकार स्पष्ट करा.

किंवा

वित्तीय मध्यस्थांचे प्रकार विशद करून त्यांचे महत्व व कार्य सांगा.

2. व्याजदराच्या ऋणयोग्य निधी सिद्धांताचे टिकात्मक परिक्षण करा.

किंवा

प्रशासीत व्याजदर म्हणजे काय ? भारतात व्याजदराचे विनिमयन कां करण्यात येते ?

3. (अ) केंद्रीय बँक आणि व्यापारी बँक यातील फरक सांगा.

(ब) केंद्रीय बँकेचे कार्ये सांगा.

(क) प्रत्यय नियत्रंणाची गुणात्मक पद्धती सांगा.

(ड) मौद्रीक धोरणाचे उद्देश सांगा.

किंवा

(इ) आधुनिक अर्थव्यवस्थते केंद्रीय बँकेच्या भूमीकेची चर्चा करा.

(फ) व्यापारी बँकेचे कार्ये सांगा.

(ग) अधिकोष दर व बाजार दर यातील फरक सांगा.

(ह) मौद्रीक धोरणाच्या मर्यादा कोणत्या ?



www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

4. (अ) भारतीय अर्थव्यवस्थेत बँकेन्तर वित्तीय संस्थेच्या भूमीकेचे वर्णन करा.

(ब) मुद्रा बाजार व भाडंवल बाजार यातील फरक सांगा.

(क) सरकारी कर्जरोखे बाजार म्हणजे काय ?

(ड) भारतातील प्राथमिक व दुय्यम प्रतीभुती बाजाराचे स्वरूप सांगा.

किंवा

(इ) भारतातील प्रतिभुती विनिमय मंडळाची (SEBI) रचना व अधिकार विशद करा.

(फ) मागणी मुद्राबाजार व विपण बाजार यांच्या संरचनाची तुलना करा.

(ग) बँकेतर वित्तीय संस्थेच्या विविध प्रकारांची चर्चा करा.

(ह) विमा विनीमय विकास यंत्रना (IRDA) ची संरचना स्पष्ट करा.

5. (अ) ब्रेटनवुड पद्धत कोसळण्याची कारणे स्पष्ट करा.

(ब) जागतीक बँकेची ऋणदान कार्ये सांगा.

(क) चलनाच्या अवमुल्यनाची मुख्य उद्देश सांगा.

(ड) भारताच्या आर्थिक विकासात आशीयाई विकास बँकेची भूमीका स्पष्ट करा.

किंवा

(इ) विनिमय दरात बदल होण्याची कारणे स्पष्ट करा.

(फ) आंतरराष्ट्रीय तरलतेचे महत्व स्पष्ट करा.

(ग) आशीयाई विकास अधिकोषाची कार्ये स्पष्ट करा.

(ह) बहुविध विनिमय दर प्रणालीचे गुण सांगा.



www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

AU–2215

M.A. (Part—II) Examination

ECONOMICS (Group—B)

FINANCIAL INSTITUTIONS AND MARKETS

Paper—VII

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 100

(हिन्दी माध्यम)

नोट :– (1) सभी **पाँच** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(2) सभी प्रश्नों के अंक समान है।

1. संपत्ती की परतावा का क्या अर्थ है ? जोखीम के विभिन्न प्रकार स्पष्ट कीजिये।

अथवा

वित्तीय मध्यस्थों के प्रकार विशद कीजिये। उनका महत्व तथा कार्य लिखिये।

2. ब्याजदर के ऋणयोग्य कोषों के सिद्धांत का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिये।

अथवा

प्रशासीत ब्याजदर क्या है ? भारत में ब्याजदर विनियमित क्यों किया जाता है ?

3. (अ) केंद्रीय बैंक और व्यापारीक बैंक में अंतर बताइये।

(ब) केंद्रीय बैंक के कार्ये बताइये।

(क) साख नियंत्रण की गुणात्मक पद्धतियाँ बताइये।

(ड) मौद्रिक नीति के उद्देश्य बताइये।

अथवा

(इ) आधुनिक अर्थव्यवस्था में केंद्रीय बैंक की भूमिका का विवेचन कीजिये।

(फ) व्यापारी बैंक के कार्ये बताइए।

(ग) बैंक दर तथा बाजार दर में अंतर बताइये।

(ह) मौद्रिक नीति की क्या सीमाएँ हैं ?



www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

4. (अ) भारतीय अर्थव्यवस्था में बैंकेत्तर वित्तीय संस्था की भूमिका का वर्णन कीजिये।

(ब) मुद्रा बाजार एवं पूंजी बाजार में अंतर बताइये।

(क) सरकारी ऋणपत्र बाजार क्या है ?

(ड) भारत में प्राथमिक एवं दुय्यम प्रतिभूति विपणी का स्वरूप बताइये।

**अथवा**

(इ) भारतीय प्रतिभूति विनिमय मंडल (SEBI) की रचना एवं अधिकार बताइये।

(फ) याचना मुद्रा बाजार एवं विपण बाजार की संरचनाओं की तुलना कीजिये।

(ग) बैंकेत्तर वित्तीय संस्था के विविध प्रकारों की चर्चा कीजिये।

(ह) बिमा विनिमय विकास यंत्रणा (IRDA) की रचना स्पष्ट कीजिये।

5. (अ) ब्रेटनवुड प्रणाली असफल होने के कारण स्पष्ट कीजिए।

(ब) विश्व बैंक के ऋणदान कार्ये बताइये।

(क) मुद्रा अवमूल्यन के मुख्य उद्देश बताइये।

(ड) भारत के आर्थिक विकास में एशियाई विकास बैंक की भूमिका स्पष्ट कीजिये।

**अथवा**

(इ) विनिमय दर में परिवर्तनों के कारण बताइये।

(फ) आंतरराष्ट्रीय तरलता का महत्व बताइये।

(ग) एशियाई विकास बैंक के कार्यों का वर्णन कीजिये।

(ह) बहुविध विनिमय दर प्रणाली के गुण बताइये।



www.sgbauonline.com